

रेल दावा अधिकरण, नागपुर पीठ, नागपुर के समक्ष

कोरम : श्री संजीव अग्रवाल, माननीय सदस्य (न्यायिक)
श्री सैयद निशात अलि, माननीय सदस्य (तकनीकी)

दावा आवेदन संख्या – ओए।।(यू)/एनजीपी/16/2023

दावा दर्ज करने की तिथि – 06.12.2022
विलंब माफी की तिथि – 27.03.2023
निर्णय तिथि – 14.05.2024

- वादी : 1. श्रीमती सुनीताबाई पत्नी बंसीलाल बल्लारखेड़े
उम्र 48 वर्ष, व्यवसाय – श्रमिक
2. छाया सुपुत्री बंसीलाल बल्लारखेड़े
उम्र 17 वर्ष, व्यवसाय – शिक्षा
3. विशाल सुपुत्र बंसीलाल बल्लारखेड़े
उम्र 16 वर्ष, व्यवसाय – शिक्षा

आवेदक क्र.2 एवं 3 नाबालिग हैं और अपनी अभिभावक माता
वादी क्र.1 के द्वारा

सभी निवासी – सिहारी, पो. बोलेगांव, तहसील – लांजी,
जिला – बालाघाट, मध्यप्रदेश – 481222

बनाम

प्रतिवादी : भारत संघ
द्वारा महाप्रबंधक
मध्य रेल, सीएसटी मुंबई

दावे की राशि रु.8,00,000/-

निर्णय

आवेदकों के अधिवक्ता एन.आर. मानकर
प्रतिवादी की ओर से अधिवक्ता एस. मेंदीरेत्ता

1. आवेदकों ने यह दावा बंसीलाल सुपुत्र गुनीराम बल्लारखेड़े, उम्र 50 वर्ष की अनपेक्षित दुर्घटना में हुई मृत्यु के कारण मृतक की पत्नी, पुत्री एवं पुत्र तथा मृतक के आश्रित होने के नाते प्रतिवादी रेलवे के विरुद्ध रेल दावा अधिकरण अधिनियम की धारा 16 के तहत इस अधिकरण में दाखिल किया है और प्रतिवादी से रु.8.00 लाख के मुआवजे की मांग की है। आवेदकों ने यह दावा विलंब माफी के आवेदन के साथ दाखिल किया था। आवेदकों के विलंब माफी आवेदन को अधिकरण द्वारा दिनांक 27.03.2023 को मंजूर किया गया।

2. दावा आवेदन के अनुसार दुर्घटना के मुख्य अंश :-

- क. दुर्घटना की तिथि : 16.01.2019
- ख. मृतक का नाम : बंसीलाल सुपुत्र गुनीराम बल्लारखेड़े
- ग. आवेदकों का मृतक के साथ रिश्ता : आवेदिका क्र.1 मृतक की पत्नी, आवेदिका क्र.2 मृतक की पुत्री एवं आवेदक क्र. 3 मृतक का पुत्र है।
- घ. ट्रेन एवं यात्रा का विवरण : मृतक दिनांक 16.01.2019 को गोंदिया से पुणे की यात्रा सुपरफास्ट एक्सप्रेस से उसके रिश्तेदार केशव रोशनलाल कालबेले एवं रूखमिनिबाई मदनलाल कालबेले के साथ वैध रेल टिकट नं.यू. एक्स.बी.82929391 खरीदकर कर रहा था।
- ङ. संक्षिप्त में घटना का विवरण : यात्रियों की भीड़ की वजह से मृतक सामान्य कोच के दरवाजे के पास खड़े होकर यात्रा कर रहा था. यात्रा के दौरान जब ट्रेन मोहगांव रेलवे स्टेशन के गेट नं.14 से गुजर रही थी, उसी समय अचानक ट्रेन को झटका लगने की वजह से एवं मृतक को अन्य यात्रियों का झटका लगने की वजह से मृतक कि.मी.814/2, गेट नं.14 के पास, मोहगांव रेलवे स्टेशन, जिला नागपुर पर चलती ट्रेन से गिरकर गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इंदिरा गांधी सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, नागपुर में उसकी इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। जब मृतक पुणे नहीं पहुंचा तो उसके रिश्तेदारों ने उसे ढूंढा। 19.01.2019 को रेलवे पुलिस स्टेशन, नागपुर से पूछताछ में रेलवे पुलिस ने उन्हें मृतक के फोटो दिखाए जिसे उन्होंने मृतक बंसीलाल गुनीराम बल्लारखेड़े के तौर पर पहचान की। पुलिस द्वारा मृतक का अंतिम संस्कार कर दिया गया था। आवेदकों ने कथित घटना को अनपेक्षित दुर्घटना बताकर प्रतिवादी रेलवे से मुआवजे की मांग की है और अधिकरण के समक्ष यह दावा आवेदन दाखिल किया है।
- च. अधिकरण का क्षेत्राधिकार : घटनास्थल अधिकरण के क्षेत्राधिकार में आता है।

3. जवाब के मुख्य अंश :

अ. प्रतिवादी रेलवे ने लिखित कथन में इस बात को मानने से इंकार किया कि मृतक उसके रिश्तेदारों के साथ रेल टिकट खरीदकर गोंदिया से पुणे की यात्रा कर रहा था और वह अनपेक्षित घटना में मृत हुआ था। मृतक की मृत्यु के लिए प्रतिवादी रेलवे जवाबदार नहीं है। अतः इन परिस्थितियों में आवेदक मुआवजा प्राप्त करने के हकदार नहीं हैं।

ब. **डीआरएम रिपोर्ट का सार :-** डीआरएम रिपोर्ट में प्रतिवादी रेलवे का कहना है कि सहयात्री रूख्मिणीबाई के जीआरपी/नागपुर द्वारा लिए गए बयान एवं आरपीएफ अजनी द्वारा लिए गए बयान में विरोधाभास है। जीआरपी/नागपुर द्वारा बनाए गए इन्क्वेस्ट पंचनामा में टिकट का नंबर नहीं लिखा है तथा कथित घटना का कोई प्रत्यक्षदर्शी गवाह नहीं है। अतः दावाकर्ताओं का दावा गलत है और कथित घटना में रेल प्रशासन का कोई उत्तरदायित्व निर्धारित नहीं होता है।

स. **ट्रायल के दौरान किए गए प्रतिवाद या डीआरएम रिपोर्ट से भिन्न तथ्य :-** कुछ नहीं

4. **मिसाल के तौर पर प्रस्तुत किए गए मामले एवं उनका अंश :** कुछ नहीं

5. **प्रस्तुत की गई गवाही का विवरण :-**

आवेदिका क.1 श्रीमती सुनीताबाई पत्नी बंसीलाल बल्लारखेड़े की गवाही ए.डब्ल्यू-1 के तौर पर पेश की गई एवं दस्तावेज ए-1 से ए-18 चिन्हित किए गए। आवेदिका ने शपथपत्र ए. डब्ल्यू-1 प्रस्तुत किया। प्रतिवादी रेलवे द्वारा विभिन्न दस्तावेजों सहित डीआरएम रिपोर्ट दाखिल की गई।

6. **निर्धारित किए गए मुद्दे एवं मुद्दों पर विचार कर लिया गया निर्णय :**

दोनों पक्षों की दलीलों के आधार पर निर्धारित किए गए मुद्दे :-

मुद्दा नं. 1. — क्या आवेदक रेल अधिनियम की धारा 123 (ब) के अनुसार मृतक के आश्रित हैं ?

7. आवेदिका क.1 मृतक की पत्नी, आवेदिका क.2 मृतक की पुत्री एवं आवेदक क. 3 मृतक का पुत्र है। दावा आवेदन के अनुसार मृतक के माता-पिता का निधन हो चुका है एवं दावा आवेदन के साथ उनके मृत्यु प्रमाण-पत्र की प्रतियां भी दाखिल की गई हैं। रिकार्ड पर दाखिल किए गए मृतक के मृत्यु प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड की प्रति एवं आवेदकों के आधार कार्ड की प्रतियों के अवलोकन से स्पष्ट है कि आवेदक रेल अधिनियम की धारा 123 (b) के तहत मृतक के आश्रित हैं। प्रतिवादी रेलवे द्वारा ऐसा कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया जिससे यह ज्ञात होता हो कि आवेदकों के अलावा भी मृतक के अन्य आश्रित हैं। तदनुसार इस मुद्दे का निर्धारण किया जाता है।

मुद्दा नं.2. क्या मृतक संबंधित तिथि को वैध यात्रा टिकट के साथ कथित ट्रेन का वास्तविक यात्री था ?

8. आवेदकों ने एकजीबिट ए-1 पर गोंदिया से पुणे की यात्रा के लिए तीन वयस्कों के लिए सुपरफास्ट ट्रेन में यात्रा करने हेतु दिनांक 16.01.2019 को जारी की गई यात्रा टिकट नं.यू.एक्स.बी. 82929391, किराया रु.825/- की प्रति रेकार्ड पर दाखिल की है। इन्क्वेस्ट पंचनामा (एकजीबिट ए-5) के अनुसार मृतक के कपड़ों की तलाशी लेने पर मृतक के फुलपेन्ट से गोंदिया से पुणे की दिनांक 16.01.2019 को जारी की गई रेल यात्रा टिकट बरामद हुई। मृतक की सहयात्री रुक्मिणीबाई ने बयान दिनांक 16.02.2023 (डीआरएम रिपोर्ट पृष्ठ क्र.88) में बताया है कि उसके दामाद (मृतक) ने गोंदिया स्टेशन से पुणे जाने के लिए रेल टिकट निकाला था। प्रतिवादी रेलवे द्वारा उक्त टिकट के सत्यापन में भी टिकट को वैध पाया गया एवं डीआरएम रिपोर्ट के साथ मुख्य बुकिंग पर्यवेक्षक द्वारा उक्त टिकट को जारी करने का विवरण भी पृष्ठ क्र.43 पर दाखिल किया गया है। अतः उक्त विवरण से एवं मृतक के पास से वैध रेल टिकट बरामद होने से यह स्पष्ट हो जाता है कि मृतक यात्रा टिकट के साथ एक अधिकृत यात्री के नाते यात्रा कर रहा था। अतः यह मुद्दा आवेदकों के पक्ष में उत्तरित किया जाता है।

मुद्दा नं. 3. क्या मृतक की मृत्यु रेल अधिनियम की धारा 124-ए (धारा 123(सी) के साथ पठित) के अनुसार दावा आवेदन में अभिकथित अनपेक्षित दुर्घटना की वजह से हुई ?

9. दावा आवेदन के अनुसार मृतक दिनांक 16.01.2019 को गोंदिया से पुणे की यात्रा सुपरफास्ट एक्सप्रेस से उसके रिश्तेदार केशव रोशनलाल कालबेले एवं रुक्मिणीबाई मदनलाल कालबेले के साथ कर रहा था। यात्रा के दौरान जब ट्रेन मोहगांव रेलवे स्टेशन के गेट नं.14 से गुजर रही थी, उसी समय अचानक ट्रेन को झटका लगने की वजह से एवं मृतक को अन्य यात्रियों का झटका लगने की वजह से मृतक कि.मी.814/2, गेट नं.14 के पास, मोहगांव रेलवे स्टेशन, जिला नागपुर पर चलती ट्रेन से गिरकर गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इंदिरा गांधी सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, नागपुर में उसकी इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। जब मृतक पुणे नहीं पहुंचा तो उसके रिश्तेदारों ने उसे ढूंढा। तीन-चार दिन बाद रेलवे पुलिस स्टेशन, नागपुर से पूछताछ में रेलवे पुलिस ने उन्हें मृतक के फोटो दिखाए जिसे उन्होंने मृतक बंसीलाल गुनीराम बल्लारखेड़े के तौर पर पहचान की। पुलिस द्वारा मृतक का अंतिम संस्कार कर दिया गया था।

10. दिनांक 17.01.2019 को ड्यूटी पेट्रोलिंग मेन श्री मनोज कुमार मीना साथ में श्री प्रशांत घोरमाड़े ने ड्यूटी के दौरान ऑन ड्यूटी उप स्टेशन प्रबंधक/गुमगांव को सूचना दी कि कि.मी. 814/0 पर एक व्यक्ति जख्मी अवस्था में मिला है। उप स्टेशन प्रबंधक, मध्य रेल, नागपुर द्वारा थाना प्रभारी, जीआरपी नागपुर/आरपीएफ को दिए गए मेमो दिनांक 17.01.2019, समय 01:25 को यह सूचित किया गया कि गाड़ी सं12643 के सामने के एसएलआर में एक अज्ञात व्यक्ति को लाया जा रहा है। जीआरपी/नागपुर द्वारा उक्त ट्रेन को अटेंड किया गया और जख्मी व्यक्ति को इलाज हेतु मेयो अस्पताल, नागपुर भेजा गया जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

11. आवेदिका श्रीमती सुनीताबाई पत्नी बंसीलाल बल्लारखेड़े ए.डब्ल्यू.1 ने प्रति-परीक्षण में बताया कि वह मृतक के साथ यात्रा नहीं कर रही थी, उसने मृतक को यात्रा टिकट खरीदते हुए नहीं देखा और वह घटना की प्रत्यक्षदर्शी गवाह नहीं है। उसे घटना की जानकारी उसके रिश्तेदार मुरली बल्लारखेड़े से प्राप्त हुई थी। मुरली बल्लारखेड़े को कथित घटना की जानकारी नागपुर रेलवे स्टेशन पहुंचने पर मिली थी।

12. आवेदकों का कहना है कि मृतक एक वैध यात्री के नाते यात्रा कर रहा था और वह अनपेक्षित दुर्घटना में मृत हुआ था अतः आवेदक प्रतिवादी रेलवे से मुआवजा प्राप्त करने के हकदार हैं। परंतु प्रतिवादी रेलवे ने इस बात को मानने से इंकार किया कि मृतक उसके रिश्तेदारों के साथ रेल टिकट खरीदकर गोंदिया से पुणे की यात्रा कर रहा था और वह अनपेक्षित घटना में मृत हुआ था। प्रतिवादी रेलवे का कहना है कि मृतक की सहयात्री रूख्मिणी बाई ने जीआरपी/नागपुर को दिए गए बयान में बताया है कि गोंदिया से यात्रा के लिए निकले तथा नागपुर से पुणे जाने वाली गाड़ी में महिला डिब्बे में बैठकर मृतक स्वयं जनरल डिब्बे में बैठना बताया है तथा आरपीएफ अजनी द्वारा लिए गए बयान में उन्होंने बताया है कि गोंदिया से महिला डिब्बे में बैठाने के बाद बंसीलाल दूसरे डिब्बे में बैठना बताया व सीधा पुणे जाना बताया है। जीआरपी नागपुर और आरपीएफ अजनी द्वारा लिए गए बयान में विरोधाभास है। जीआरपी/नागपुर द्वारा बनाए गए इन्क्वेस्ट पंचनामा में टिकट का नंबर नहीं लिखा है तथा कथित घटना का कोई प्रत्यक्षदर्शी गवाह नहीं है। अतः इन परिस्थितियों में इस बात में संशय है कि मृतक यात्रा करते समय चलती गाड़ी से गिरकर मृत हुआ था। दावाकर्ताओं का दावा गलत है और कथित घटना में रेल प्रशासन का कोई उत्तरदायित्व निर्धारित नहीं होता है। परंतु प्रतिवादी रेलवे के इस प्रतिवाद को स्वीकार नहीं किया जा सकता। मृतक रेल टिकट के साथ वैध यात्री था। यदि कोई व्यक्ति वैध यात्रा टिकट के साथ मिड सैक्शन में मृत अवस्था में प्राप्त होता है तो इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि वह व्यक्ति चलती ट्रेन से गिरने के कारण मृत हुआ है। प्रतिवादी रेलवे यह साबित नहीं कर पाया कि मृतक वैध यात्री नहीं था और उसकी मृत्यु अनपेक्षित दुर्घटना में नहीं हुई थी। इन्क्वेस्ट पंचनामा एकजीबिट ए-5 में पुलिस एवं पंचों द्वारा यह बताया गया है कि किसी अज्ञात चलती ट्रेन से गिरकर जख्मी होकर मृतक मृत हो गया। पोस्ट मार्टम रिपोर्ट में भी मृतक की मृत्यु का कारण सिर में चोट दर्शाया गया है। उक्त तथ्यों से यह स्पष्ट हो जाता है कि मृतक चलती ट्रेन से गिरकर मृत हुआ था। कथित घटना अनपेक्षित घटना की श्रेणी में आती है और मृतक की मृत्यु अनपेक्षित दुर्घटना में हुई थी। अतः यह मुद्दा आवेदकों के पक्ष में उत्तरित किया जाता है।

मुद्दा नं. 4. राहत ?

13. मुद्दा क्र.1 में यह साबित हो गया है कि आवेदक मृतक के आश्रित हैं एवं मुद्दा क्र.2 एवं 3 में यह भी साबित हो गया है कि मृतक एक अधिकृत यात्री था और उसकी मृत्यु अनपेक्षित दुर्घटना में हुई थी, अतः आवेदक मुआवजा प्राप्त करने के अधिकारी हैं। अतः इस मामले में निम्न आदेश पारित किया जाता है।

आदेश

14. यह दावा आवेदकों के पक्ष में निर्णीत किया जाता है। आवेदकों को रु.8,00,000/- (रु. आठ लाख मात्र) का मुआवजा देने का आदेश दिया जाता है। आवेदकों को दुर्घटना की तिथि से इस आदेश की तिथि तक मुआवजा राशि पर 6% साधारण ब्याज की दर से ब्याज भी प्रदान किया जाता है। प्रतिवादी रेलवे को मुआवजा राशि का भुगतान करने के लिए 60 दिन का समय दिया जाता है। प्रतिवादी रेलवे मुआवजा राशि का भुगतान इस आदेश की तिथि से 60 दिनों के भीतर करेगा। यदि प्रतिवादी रेलवे 60 दिनों के भीतर आवेदकों को मुआवजा राशि का भुगतान करने में असफल रहता है तो आवेदक उनकी मुआवजा राशि पर इस आदेश की तिथि से भुगतान की तिथि तक 9% प्रतिवर्ष की दर से आगे का ब्याज (Future Interest) प्राप्त करने के हकदार होंगे। मुआवजा राशि का वितरण निम्नानुसार है:-

आवेदक का नाम	मुआवजा राशि	मुआवजा राशि का विवरण	
		नकद राशि	एन्यूटी राशि/ सावधि जमा राशि
श्रीमती सुनीताबाई पत्नी बंसीलाल बल्लारखेड़े	5,00,000 / -	50,000 / - + ब्याज	4,50,000 / -
छाया सुपुत्री बंसीलाल बल्लारखेड़े	1,50,000 / -	15,000 / - + ब्याज	1,35,000 / -
विशाल सुपुत्र बंसीलाल बल्लारखेड़े	1,50,000 / -	15,000 / - + ब्याज	1,35,000 / -

15. जहाँ तक मुआवजे की राशि के वितरण का प्रश्न है, मैंने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं को सुना। गीता देवी बनाम भारत संघ (एफ.ए.ओ. 22/2015 एवं सीएमए 4501/2015) दिनांक 24 मई, 2019, मामले में माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली द्वारा निम्न बातों पर गौर कर आदेश पारित किया गया :-

5. As Regards Amendment to the Railway Accidents and Untoward Incidents (Compensation) Rules, 1990

1.1 Many of the claimants are drawn from rural areas with low levels of literacy and lower levels of making appropriate decision for the use of amounts guaranteed under the awards. There are several instances of their exploitation by middlemen and touts operating in the field. The scope for such exploitation is itself one of the incentives for fomenting bogus claims, fabricated documents and duplicate claims in different Benches of the Tribunal for the same cause of action. The availability of bulk funds in the name of an ill-informed claimant is also a cause for exploitation. A scheme for protection of the amount due to such a claimant is the need of the hour. Earlier, this Court has involved 21 Nationalised Banks in dialogue to evolve a scheme of annuities for disbursement of claims. They have been ordered already to be implemented in this case, vide directions passed on 22nd February, 2019. This scheme as applied to motor accident claims has been approved by the Supreme Court in its order dated 05 th March, 2019 in Krishnamurthi v New India Insurance Company, SLP (C) No.31521-31522 OF 2017. A statutory rule backing will, therefore, best serve the interest of litigant.....”

16. माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली द्वारा पारित किए गए आदेश के अनुपालन में भारत सरकार ने दिनांक 3 जून 2020 को अधिसूचना क.जीएसआर (ई) 347 जारी करते हुए रेलवे दुर्घटना एवं अनपेक्षित दुर्घटना (मुआवजा) नियम 1990 के नियम 5 को संशोधित किया जो निम्नानुसार है:-

“5. Mode of Payment -

5.1 The Tribunal may, in order to protect the sum awarded to the claimant, having due regard to the illiteracy or other disabling factors impairing the judicious

use of such sum, issue directions for disbursing the award in terms of annuities, fixed deposits or other suitable mode as shall subserve justice.

- 5.2 If any of the claimants is a minor or person of unsound mind, the Tribunal may give liberty to the guardian ad litem to use the interest accruals on the deposit that shall be made during the minority for maintenance.
- 5.3 Nothing in this rule shall limit the power of the Tribunal to make modifications of the mode of disbursement for reasons to be stated in writing depending on the exigencies requiring liquidation of any corpus created for annuity or premature closure of fixed deposit, for the benefit of the claimant.
- 5.4 The orders dated 21st April, 2017, 24th May, 2019 and 06th November, 2019 of Hon'ble High Court of Delhi in FAO No. 22/2015 and CM Application No. 4501/2015 in Geeta Devi Vs Union of India, relating to disbursement of compensation shall be read as part of this rule.

17. अतः दिनांक 03 जून 2020 के नोटिफिकेशन के अंतर्गत संशोधित रेलवे दुर्घटना एवं अनपेक्षित दुर्घटना (मुआवजा) नियम 1990 के नियम 5 के अनुपालन के अनुसार वर्तमान केस में मुआवजा राशि का वितरण निम्नानुसार किया जाता है:-

18. प्रतिवादी रेलवे को निर्देश दिया जाता है कि वह ब्याज सहित मुआवजा राशि को अपर निबंधक द्वारा संचालित रेल दावा अधिकरण, नागपुर के स्युटर मनी (Suitors Money) एकाउंट में इस आदेश की तिथि से 60 दिनों के भीतर जमा करे। यह स्पष्ट किया जाता है कि प्रतिवादी रेलवे ब्याज सहित मुआवजा राशि को जमा करते समय भुगतान का पूर्ण विवरण जैसे यू.टी.आर नंबर, ब्याज की गणना सहित प्रत्येक आवेदक के मुआवजा राशि का हिस्सा इत्यादि की सूचना पंजीकृत डाक से आवेदकों को देगा एवं इसकी एक प्रति अपर निबंधक और आवेदक के अधिवक्ता को भी देगा।

19. आवेदिका क.1 को प्रदान की गई मुआवजा राशि में से 10% राशि एवं आनुपातिक आधार पर ब्याज की राशि को आवेदिका क.1 के बचत बैंक खाते में ईसीएस/एनईएफटी के माध्यम से जमा किया जाएगा। आवेदिका क.1 की शेष मुआवजा राशि को रु.10,000/- के 45 (पैंतालिस) समान भागों में एफ.डी. में विभाजित कर 1 से 45 माह की अवधि के लिए बढ़ते क्रम में निवेश किया जाएगा। बैंक द्वारा प्रतिमाह 1 मासिक जमा राशि + संचयी ब्याज की 1 एफ.डी. को क्रमानुसार आवेदिका क.1 के बैंक खाते में जमा किया जाएगा।

20. दावा आवेदन दाखिल करते समय आवेदिका क.2 एवं आवेदक क.3 नाबालिग थे परंतु आधार कार्ड में दर्ज जन्मतिथि के अवलोकन से स्पष्ट है कि अभी आवेदिका क.2 एवं आवेदक क.3 बालिग हो चुके हैं। अतः आवेदिका क.2 एवं आवेदक क.3 प्रत्येक को प्रदान की गई मुआवजा राशि में से 10% राशि एवं आनुपातिक आधार पर ब्याज की राशि को आवेदिका क.2 एवं आवेदक क.3 प्रत्येक के बचत बैंक खाते में ईसीएस/एनईएफटी के माध्यम से जमा किया जाएगा। आवेदिका क.2 एवं आवेदक क.3 प्रत्येक की शेष मुआवजा राशि को रु.45,000/- के 3 समान भागों में विभाजित कर प्रथम भाग को एक वर्ष के लिए, द्वितीय भाग को दो वर्ष के लिए एवं तृतीय भाग को तीन वर्ष के लिए उनके निवास स्थान के बचत बैंक खाते में सावधि जमा किया जाए। आवेदिका क.2 एवं आवेदक क.3 प्रत्येक को उनकी सावधि जमा राशि से प्रति तिमाही ब्याज प्राप्त

करने की स्वतंत्रता होगी। सावधि जमा की अवधि समाप्त होने के बाद आवेदिका क.2 एवं आवेदक क.3 कोर्ट के आदेश के बिना अपनी सावधि जमा राशि का नकदीकरण कर सकते हैं।

21. प्रत्येक आवेदक को यह निर्देश दिया जाता है कि वे अपने निवास स्थान के निकट स्थित राष्ट्रीयकृत बैंक के व्यक्तिगत बचत खाते का विवरण इस अधिकरण के अपर निबंधक के समक्ष प्रस्तुत करें।

22. यदि आवेदक टीडीएस कटौती की छूट के हकदार हैं तो वे फार्म 15-जी या फार्म 15-एच (वरिष्ठ नागरिक) को इस आदेश की तिथि से 15 दिनों के भीतर प्रस्तुतकर्ता अधिकारी के समक्ष जमा करें एवं इस स्थिति में मुआवजा राशि से किसी भी प्रकार के टीडीएस की कटौती नहीं की जाएगी।

23. जीएसआर 347 (ई) दिनांक 03 जून 2020 के अनुसार संशोधित रेलवे दुर्घटना एवं अनपेक्षित दुर्घटना (मुआवजा) नियम 1990 के नियम 5.4.4 के अनुपालन हेतु सावधि जमा के लिए निम्नलिखित शर्तों का पालन किया जाए:-

- i. आवेदकों के बचत खाते या सावधि जमा खाते पर बैंक किसी भी संयुक्त खाते की अनुमति नहीं देगा।
- ii. इस अधिकरण की अनुमति के बिना आवेदकों की सावधि जमा पर किसी भी प्रकार का लोन, अग्रिम, समय पूर्व भुगतान नहीं होगा।
- iii. बैंक आवेदकों को किसी भी प्रकार की चेक बुक या डेबिट कार्ड/क्रेडिट कार्ड जारी नहीं करेगा। यद्यपि चेक बुक या डेबिट कार्ड/क्रेडिट कार्ड पहले से जारी किया गया हो तो मुआवजा राशि के भुगतान के पूर्व उसे निरस्त करेगा।
- iv. बैंक आवेदकों की पासबुक पर यह प्रविष्टि करेगा कि आवेदकों को चेक बुक या डेबिट कार्ड/क्रेडिट कार्ड जारी नहीं किए गए हैं और अधिकरण की अनुमति के बिना जारी नहीं किए जाएंगे। आवेदक उक्त प्रविष्टि के साथ बैंक की पासबुक इस अधिकरण के अपर निबंधक के समक्ष प्रस्तुत करेगा।

24. उपरोक्त आदेशानुसार इस दावे को मंजूर किया जाता है। तथापि, लागत के संबंध में कोई आदेश नहीं दिया जाता है।

दिनांक 14.05.2024 को खुले कोर्ट में अधिघोषित किया गया।

दावा फाईल अभिलेख विभाग को सुपुर्द की जाए।

(सैयद निशात अलि)
सदस्य (तकनीकी)

(संजीव अग्रवाल)
सदस्य (न्यायिक)

नागपुर.

दिनांक : 14.05.2024

/बीके/